an>

Title: Need to take adequate measures to check the dwindling water level in rivers and other water resources in the country.

श्री सत्यपाल सिंह (सम्भल) ः मैं सरकार का ध्यान अति महत्वपूर्ण विषय ""घटते जल स्तर के आगोश में सिमटती भूमि"" और परिणामस्वरूप विलुप्त होते जल स्रोत की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। ऐसे तो ये मुद्दा सभी क्षेत्रों के लिए प्रासंगिक है, पर मेरे लोक सभा क्षेत्र में एक सोत नदी है, जिसमें बरसात में अत्यधिक जल प्रवाह होता था, परंतु वाटर लेवल नीचे चले जाने के कारण अब इसमें जल प्रवाह नहीं है। लोगों ने सोत नदी को पाट कर खेत-जोत बना लिया है। गिरते जल स्तर की वजह से पूर्व में जो छोटी-छोटी नदियां या स्रोत, नाले (बरसाती नाले), तालाब इत्यादि थे, वे अब जल के अभाव में विलुप्त होते जा रहे हैं। मेरे लोक सभा क्षेत्र के अंतर्गत ही कई ब्लॉक डार्क जोन में आ गये हैं। इससे कृषि पर व्यापक असर पड़ा है। किसान और कृषि कार्य में लगे लोग पंगु हो गये हैं। घटते जल स्तर के कारण कई पशु-पक्षियों का अस्तित्व खतरे में आ गया है। जहां पहले ये स्वच्छन्द विचरण करते हुए जल से न केवल प्यास बुझाते थे बल्कि गर्मियों में अपने शरीर के तापमान को भी कायम रखते थे, अब यह बीते दिनों की बात हो गई है।

मानव समाज, पशु-पक्षियों और विलुप्त होते जल स्रोतों के बचाव और छोटी-छोटी नदियों के अस्तित्व को बरकरार रखने हेतु माननीय जल संसाधन मंत्री जी से निवेदन है कि सरकार योजना बनाकर इनकी खुदाई कर, इसे पुनः पहले की स्थिति में लाये और घटते जल स्तर से निपटने के लिए कोई सख्त कदम उठाये, जिससे कि जल स्रोतों में अविरल जल प्रवाह निरंतर होता रहे और जो वाटर लेवल नीचे जा रहा है, वह और नीचे न जाये।